

सूनासूननलिमववममम २रुनयिपनमादिबऊ, जिनगुमनयय ॥ ॐ ॥  
॥ ~~नागहनि~~ ॥ मध्यमनमहामवि कनकनाजिनः पूर्वविदहनऊम्वदी  
पंश्रूपनरमजयनी उरुनकनरु वन पंववर्धः पंवजिनव्यापियाय ॥  
॥ ६ ॥ नमपंरुवर्धः विष्णुजीजिन विष्वाहिमः विष्वरुमः पथमूनमि  
२श्रुद्विपानताः वेहमिजिनमान् सारुनंरु रुयमिमिनघनधाननूप ॥ ॥  
जामवदनस्य याउपद्विप नाउपीद्विप हनरुध्वान २ खसनाला उपद्विप व







गणेशदेव

दर्पनप्रतिविम्बु. कलज वक्षोपम. अहिनिहिसूमनकवजद्वी २ ऊन्मजन्म  
मानूकुंरुपायसवसा. इर्गतिनाथनमाकपदाता ॥ ६० ॥ ~~नागनाथ~~ ~~देववि~~  
(गमकदहन. पथरहानस्वनूपं २ प. ~~वक्षमनवसं. पथरसाविपूजा ॥ ६१ ॥~~  
शुक्लदेवीवनिनायकिडुवनवीना २ विमलनल्लार्यकसमयाज्जानंद  
॥ ॥ दीपंवीनध्वन. सहजानंद २ कलंकमलासन. हृदयानंद ॥ ॥  
पथरहानस्वनूपं २ देवासूत्रनन. प्रमृदिगहृदया ॥ ॥ ॐ श्रीगणेश

पठयागिनी

श्रीरवधनकनीक २ उमनूयलध्वनि. विनमानंद ॥ ६० ॥ ~~नागनाथ~~ ~~दि~~  
षठयागिनीदेवी. शिडुवधव्यापिनी २ विघ्नमान इष्टदर्पविनाशिनी ॥ ६१ ॥  
नमामि वीणीवज्रवाहाहि २ अक्षि सिद्धिदायनी. जगज्जननी ॥ ॥  
पूर्वदलगम. नकवर्षागि २ ०० गान यामिनीदेवी. नीलवदनी ॥ ॥  
वायुव्यमाहिनीदेवी. लघुवर्षा २ पश्चिमसवाविनी. लोवर्षादहा ॥ ॥  
॥ नमोऽसंशासिनीदेवी. हनिवर्षा २ दहनवसुिकादेवी. धूमवर्षा ॥ ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ यत्कुरु कुरु कानना पथः मूढा लनः ॥ २ ॥ स्वस्व विरु स रुवा नवन संदि  
गं वना ॥ ॐ ॥ ~~नागः~~ न वि ॥ ३ ॥ अ ॥ इ ॥ अ ॥ न क न स्वाहा म क उ वा न व  
३ ॥ पूजा पूज क पूज रा व न त्व स्व न प व लिंग व ॥ ४ ॥ र व र व त्वा हि २  
व लि पू न न घ घ घा ट य २ वि घ्न ह ३ ॥ प व म म य न स प व सा नि न प  
अ ह न स र्व वि न ॥ ॥ स र्व य न ना क स ल ग प न पि न या मा ज प स्ता  
न २ ज क ज कि नी दि पि नी अ ह म न ॥ ॐ दे व लि गृ ह क न ॥ ॥

५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

॥ दान पति सर्व कार्य म त्व याः स र्व स र्व संप नि न क न २ य र्थे व म र्थे व  
उ ज प पि व थ न जि य थ मारु क म थ न ॥ ॥ स म या न क रु दान प नि न स र्व  
सि धि स प द न क न २ अ स सा न ग थ ग म व व न स र्व सि धि स म्प नि वृ धि न  
॥ ॐ ॥ ॥ ~~नागः~~ प ट म न ॥ ॥ अ निल अ न ल क ल क लु च मा मः  
म नू म भु ल च क ला या २ व ज प क ल स न जाल स प नि र दि नः म नू म भु ल च क ना  
या न ॥ ॥ उ म नू क न यि या ॥ ॥ अ न्य क नू न आ लिं ग सः ह नू व क न यि या २ व ज



वाचाहि आलिंगन. सम्बन्धनयिया ॥ ॥ अहिसम्बन्धनवीनम्बन्धन. ऊहीऊ.  
 हिं गहिं गहिं अहिसम्बन्धन ॥ अहिसम्बन्धन सर्वदव वज्रपाठमदवी. मीनमियनसंहा  
 व ॥ ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया. ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया.  
 ना ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया. ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया.  
 अहिनीसं. सगुनवान. कुना. गद्यदि. गनरावराव ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया.  
 द्यादि. गनरावराव. अहिसम्बन्धनयिया. ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया. ॥

वंकावसरव. नलनूप विनिग. विविहकलर्ग ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया.  
 दकसफसं. गधिन हानमन्मयं ॥ ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया.  
 जिनवापिन. सहजकलसं ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया.  
 साननागनविनकनूपं ॥ ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया.  
 धिन पथरपियूर्य ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया.  
 ॥ ॥ अहिसम्बन्धन अहिसम्बन्धनयिया. ॥







नमो ईं १२  
त्रिवक्त्र १

धनिया २२ न० वाक्वजः सूनः भवपि ॥ ॐ ॥ ॥ वागः ॥ नमः ॥  
काननूपधन २ स्वच्छ विसखउरुधन ॥ ॐ ॥ गनाईं २ गनाईं २ गनागन ॥  
है ॥ ॥ ईं दा आलिंगतथागध ॥ नूरवजघल मूडाधन ॥ ॥ धवनस  
भंखूनदहधन २ सनदस ॥ गहिय ॥ वन्दमन ॥ ॥ मायादहनीधजंगु २  
साहियकनूतः सखमई ॥ ॐ ॥ ॥ वागः ॥ गनमाधि ॥ त्रिवक्त्रविम  
निमधुलमाभः स्थितिज्ञानदमून निधना २ वजवात्राहिः आलिंगतसम्भवा

नानात्रिमिमहाकला ॥ ॐ ॥ गनाईं २ गनाईं २ गनागन ॥ ॥ नील  
वधूवजवकुपकिमखत्रिभवाः पनमानंदमू निधना २ विन्धवजअर्धवन्दः जय  
मूकनधनाः हाजलनतसमाहिता ॥ ॥ वजघलः गजवर्मउमनूखद्वौगः  
विनमानंदमून निधना २ कचनिकपा ॥ लपनधु पागत्रिभूलाः वज्रमिनध  
नाः व्याघ्रवर्म करि व्यस्तिता ॥ ॥ दिगविदिगः काकाध्यादि यमजकिनीद  
वीः सहजानंदमून निधना २ नमामि २ शीवकसम्भवाः सगुनूवनतजानाधिना



कलिंगवज्रानन्द १७

१ वागः पवनम् ॥ कूलिकवज्रानलः न विभक्तिविकः प्रावयिः अकाननादनुपी २ः  
कूडनकागः शिखुवनविष्णुः पयिसयिजिनभक्तिविष्णुपी ॥ ५ ॥ पवनमानः  
दम्नूनिनूपधानीः काधाधिपः शीमं शवजा २ अं ग्राहकं ३ काधाधिपशीमं  
शवजा ॥ ॥ कूलिककमलसंजा गः सरुजानदः पवननगनंगसवि  
नगानि २ गयमुखः षट्पुङ्गः नल्लम्कूटधामिः कूलिकिनात्रूनदहिनवाम ॥  
कूडमल्लापविः वज्रपर्यकासनः कूकमानूभगन्ः पकूलिका २ वज्रखड्गसन

कादादि ५८

दहिनः कनधानिः वामयस्त्यनचापधानि॥ ॥विविजनलकृष्णध.  
रुषिकः स्तलयिः अन्नगमूर्तिनूपं २ भक्तगुन्वनधः कमलप्रभादाः नमामि  
पनमामिनिनात्यर्द॥ ३६६ ॥ ॥  
मन्त्रिः कनकाला २ घनकपिथिरान्नः । वज्रयिकनूरधः क्रियायिनलाला॥  
॥ कु॥ मलयङ्गकुश्वज्रयिः छिल्लिमामान हिवज्रयि॥ ॥ गहिरुन्नुवा  
ऊनगाध्यः मयनापिवियिनयायि २ हालकालिजनः पनयायिः इइन्वजनया



सर्वप्रकार १७

यि॥ ॥ वउसमकस्तुनिः सिद्धाः कर्पून् लावनयायि २ मलययि धनसालि  
कलः स्फुरित् नूखाऊनयायि ॥ ॥ धूपनक्रयकनकः शुद्धाशुद्धनमूनयि २  
नित्रसूहः अंगवद्यावयियाः महिऊस वा. यानयायि ॥ ८३ ॥ ॥ ~~नाग~~  
~~लावलि~~ ॥ सर्ववृद्धविबुद्धमस्तुताः वि ध्वमालकदनी २ वज्रयागिनी वज्रम- १०  
सिग तिलायनी ॥ ॥ नमामिवाद्धलिः सिद्धियागिनी गणमस्तु  
मा २ अक्ष आदि सर्वसिद्धिः यागिनी गणमस्तुता ॥ ॥ अशदित्यमस्तुलः गजसनस

सर्वप्रकार १८

दीपमालचन्दनीः मकूरकणदिगंवना २ मस्तुमालारवद्वागं मस्तुताः लक्ष्मि जि का  
रयंकना ॥ ॥ गुम्फदवी लक्ष्मि अन्नकाः सयनविश्ववियापिना २ गुम्फवन्न (त  
मित्यंधनीः अवधूवकर्षूपागभवयि या ॥ ८४ ॥ ॥ ~~नाग~~ अहस्तु ॥  
हाजारन (त. क्रियायि ३. सम्बन. धन यिकं वाद्धलिः नित्रवध २ गुम्फवान  
कन. मस्तुया म्भानः मकूरकणदिगंवना ॥ ॥ ॥ अथवा भान् सम्बनलायाः सम  
नसूदनी भान् काला २ हमविना हीनी वज्रवाना हीरुठमहि भान् भाना ॥ ॥



॥ मालिंलयनवनसूहमयन. कर्पूजरुवळूगवावा २ गगधनीलावर्धू. वक्षिण  
 कृज. मनुमधुलखवनीना ॥ ॥ श्रियधउखटह. छदिगलसम्बनः पयिस  
 यिभून्पलदना २ हसवावाहिनी. वज वावाहि. गुफविनूदधमिर्जधारा ॥  
 ॥ ॥ गभवनि लीलावज कलियाउ ॥ ॥ सगगुनवनलज्जाना ॥ २ समया  
 नद. रुलिंगन मधुल सम्बन वजवावाही ॥ ॥ ॥ नागकर्षूदि ॥ जिहंजावा  
 पयि. यागिनीदहकवादि २ कमलकूलिग ॥ यलकनद्रूनजीवयी ॥ ॥

यागिनीशुक्रविनूषधद्रूनजिवयि २ नागामूहचूम्रियान. कमलसंपिवयी ॥ ॥  
 रूपद्रयागिनी. नपनजायि २ मतिकूलवहियान. जलियानसमान ॥ ॥ साग्वध  
 प्रधानकवियान २ वरुसूर्यइयिपक नरवाज ॥ ॥ रुनयिगमजनि  
 हमकुंडनूवीना २ मनयनानी. माज उरयनहवीना ॥ ॥ ॥  
 नागगंधारववि ॥ विविहविहन्नमा नविगमिवदन २ दवास्ननन. शुव  
 नरुडकनू ॥ ॥ ॥ नाथेवनमामिजीसम्बनवीना २ वज यागिनीवजिभ



सहस्रभृगवा ॥ ॥ वज्रवावाहिआलिंगधक ॥ २ ॥ द्युसिंविनंविनं  
 न. सम्यनमधुला ॥ ॥ गमकूदहन. विम्बुमांसधुलकग २ कनूधनूध  
 लायनवीयसंहावे ॥ ॥ द्वादश. लजधवीया. वाविचउवदन २ नी  
 लसंहावगगधकुंशलीना ॥ ॥ ७० ॥ वागविलास ॥ उदितागनयिया १२  
 पवधइगा २ अलंसह. दानकका भलकगा ॥ ७२ ॥ धानइष्टानहवनि  
 संगललिगा २ अखयनी वंजन. भाकलंकगा ॥ ॥ दिनकेनमधुल. म

धगगा २ कनूधममनसवसंकगा ॥ ॥ दग्धआलिहाय. पमिनिहका २ देवास  
 नननगिलनमिका ॥ ॥ गमअंमिपवनपमि. गुनूहगगा २ वज्रवावाहि. कुंशभिल  
 नमिका ॥ ७० ॥ ॥ वागगधलेनवि ॥ ॥ त्रिदलपत्रगुद्यमधुल. महासखकन  
 २ दवीवज्रवीवासिनी गत्वहनवर्क ॥ ॥ ७१ ॥ पीवयीनमहानस. गमकूदह  
 न २ स्वर्गभारुमार्ज. सखउद्धाननार्थ ॥ ॥ वज्रवावाहिआलिंगध. गग २  
 त्रिहवनदवाहनननदवी ॥ ॥ पूजापूषगुकारिषक. अनूरुनक्रिया २



अथवा २३

सत्यननवि. गत्व क्रिया. समुच्चयः ॥ गुणपद्मादतः इर्गनिनाभनं २ हनयिकू  
 लदहः आचार्यवनिता ॥ ॐ ॥ वागपयसः ॥ ऊर्यवाच्चलिः हनूअघनयि २  
 सयनसनासनः ऊगमउधारी ॥ ॐ ॥ महलगवनि पाइकमलमहिमधुल  
 नोपननूः ननकांना २ हाऊआरुनध विरुधिगमखलघल्ललाला २ मि  
 निशिनयनिशिनयना ॥ कनमिखस्यन. गीव्यनूदननभिलमाला २  
 ककिगखदंगवन. मूकनक ॥ ॥ भिनसीइनवाग. कऊलसूला २

अवनिनिहिताङ्गान् २४

कस्तुरिकर्पूरः ताम्बूलसखसाना॥ ॥ रुनयिस्त्रुगवज्र वाद्य लिदासा२  
शीवजदवीषसाधः शीहनूअपाया॥ ३०॥ नमः कामाद॥ अर्वनिनिहिग्नानू  
नालसमदहा२ ककन प्रिनयन। हिरववदना॥ ३१॥ गमाहंरुंग  
नाहंरुं२ हंरुंरुंरुंरुंरुं जाग अचल काठ लाया॥ ॥ हविहन्वक्ता  
६४ वज्र उमाला२ माल विघ्न इति सकलयहनना॥ ॥ निविदिगघ  
इति (भा) हिमसंग २ पाणखरु धानि गिरुवननाथ॥ ॥ विविधिग वत्त



अवनिनिर्गुणवामजात २२९

मोलीलंकनदहा २ अगमवांदिग. वल्लहलदायकं ॥ ८६ ॥ वागकाभा ॥  
अवनिनिर्गुणवामजातः खड्गकिन ॥ ८७ ॥ नमामिषीचधुमहावापता १८  
वपाभा. त्रिभुवनलाया. अवलवीना ॥ ८८ ॥ नमामिषीचधुमहावापता १८  
जायमुक्क लयकृदिगा २ विन्धनाथ विन्ध. व्यापिन. विनविक्रम. महाकाट्याया  
॥ ८९ ॥ अमिहिरवनाउ. उर्द्धप्रवृत्ता. दशकनाया. विंङ्गिकिननौ २ पीठिन  
अधनाककननयना. वेनिसंज्ञाभा नाखड्गसन्ध्या ॥ ९० ॥ माधवमायापूत

अगसिद्ध २३०

डवुक्का. नोदपिष्ठावादि. पादरुनका २ समनसमाया. वागविभाह. हानला.  
समाहिनदहा ॥ ९१ ॥ नत्तारुनकाप्रकृल्लिगमोति. कयूननोपननूहीमूनका  
ना २ सूननननामः वंदिगवनका ॥ ९२ ॥ वायसूनसूनअवलवीना ॥ ९३ ॥  
वागवसंज्ञा ॥ अगसिद्धसूमइनिदह ॥ ९४ ॥ पुराव्वना २ विविधिनत्नमणि. मकू  
ठविहृषिगा ॥ ९५ ॥ नाचनशी अवलविना २ गनावउअननदविनासयिअव  
ला ॥ ९६ ॥ व्यामउहवविमूमूडादधना २ प्रह्राअलिगल. अद्वयमहासूह ॥ ९७ ॥



जीवजनेनासा २५

॥ विनागयद्युमिहवरयंकना २ गस्यनिहमः खङ्गगङ्गनिपाभा ॥ ॥  
 मानयडनदर्पः निखिलविघ्नहन्ता २ नविभमिश्रगननः गगलविनासयिञ्चः  
 यला ॥ ॐ ॥ **नागकर्नदि** ॥ श्रीह वज्रनेनासादेवीः शिशुवननाथा २  
 पथरजिनव्यापिन पञ्चवर्धदहा ॥ ॥ नमोमिश्रीगपूछागवेय  
 २ हनूकशीगुञ्जधनीः वज्रयोगिनी गून्पना ॥ ॥ पूर्वदिगं स्तिनः सेनवे  
 नीलवर्धू २ दहिनपाञ्चधनीः वामविन्धना ॥ ॥ यस्मिन्नीचोनीयागिनीद्वी

२५

अस्मितादि २८

२ गभवन्निनिवावज हंकात्रसंवजा ॥ ॐ ॥ **नागपंचम** ॥ अस्मितादी अ  
 स्पाधकात्र २ अस्मितागिनीवचन ॥ ॥ मित्रसमिंद्रकजलस्त्रला २ देवी  
 प्रभादनः माक्रुमार्ज ॥ ॥ नव गत्वः अधिप्रपाधकात्रं २ गुनूवाक्कन  
 आत्रार्थ ॥ ॥ कूलचंभमाहुः ग त्वरुलदं २ कूबधिकुविरुः नाभरुल  
 दं ॥ ॥ गत्वमित्रसिः सिद्धिरुलप्रभादं २ ऊन्मऊन्मवजविनामिनिभनर्दी ॥  
 ॥ ॐ ॥ **नागकर्नदि** ॥ श्रीमंशुनाथवनः महावीनविजया २ वन्दहासखङ्ग



ति नवलजनादि २९

ध्यावि. नागनासकदस्थनू॥ ६५ ॥ नमामि शोभंशुक्रमाना २ जगदिश्वर. जग  
गयुवुवनव्यापिता ॥ ॥ पृष्ठ- कधनशुक्र. पनमयुवुनाया २ शीध  
र्मधामेष्ठान. नपालमधुलसंके. ता ॥ ॥ जगमनाथ. जगमनीनं  
जननाथ २ सर्वसोम्य पक्षिगनिनंज ना ॥ ६६ ॥ ॥ नागवनाया ॥ जिनव  
लजननि. पृष्ठान्वनमसिता २ विनाययि समनसं. द्वंदाश्रालिंगत ॥ ६७ ॥  
निनंसहस्रनय २ गनसंपूर्ण २ गराश्रालिंगत. आनन्दनयन ॥ ६८ ॥

वापयिसंलग. सयनधिमथन२ वागविनागइयिमाभ निषर्ष ॥ ॥  
 अक्क कलिभसंलग विमूर्खना२ सूनननप्रमुख. इंद्राशालिंग ॥ ॥  
 दहदिहडुवनलीयागमम्बना२ प्रथमामिक्षानन्वरीशालिंग ॥ ॥  
 ॥ ॐ ॥ वागनायकवि॥ हूँ हूँ हूँ ॥ हधनू. संसावनन२ इंद्राशालिंग ॥  
 यागधनू॥ ॐ ॥ हवजडुश्रगना हूँ हूँ गना हूँ हूँ २ गना गन हूँ हूँ ॥ ॥  
 सूनननवंदिगवनधधनू२ कूसमविलपन दहधनू॥ ॥ रावविमूकठ



विलम्बगुणः कृत्यायि २ नमः ४ ईश्वरी हव ऊडु मृगुधपयि ॥ ३० ॥ वागनाठ  
 सकलजगत् गुनसम्बन्धी वा २ अन्तर्पद्मः कनककवितासुखविहा ॥ ३१ ॥  
 सम्बन्ध २ कृत्यायि ता २ विविधिक स्य विनाशननृपं ॥ ॥ देवीवावाहि ११  
 शुक्लमसिगदहा २ रुचरुयहनसः वि भावविरमया ॥ ॥ सकलविद्युहं ११  
 मिममिन्म २ नमिपाति स्वर्गनिवाशननृप ॥ ॥ रावालावक्रमहमिम  
 नि विहा २ अन्तर्पद्मसुखनेसमग्नसुखविता ॥ ॥ ३६ ॥

११

कृत्यायिनी २१

वागमानवि ॥ वज्रयागिनीः हनूजमाया २ शिखवननाथदहिमप्रा ॥  
 ॥ ३२ ॥ पीवयिभमहानसः महासुखकरीया २ वज्रदेवीरुलीया अन्तर्पद्म  
 न ॥ ॥ उद्धतानीः शिदलकमेल स्यात् २ दहिविनासयीः पवनसं  
 दयि ॥ ॥ अंजयीय पंवनमहासुख करीया २ पञ्चमिनसिः विरूपा  
 णी ॥ ॥ सगुनवचनपञ्चद वज्रधरि २ प्रालम्बवीः संमानसम  
 दा ॥ ३३ ॥ वागः कनदि ॥ नीलकानः प्रकालिग किनद २ उद्धपिंगलः



॥ ६ ॥ नाययिज्जकालि. जिह्ववनञ्जस्यज्जकालिश्मया नञ्जस्यज्जकालि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१८

नाचयित॥ ॥ अकिनिशमाखधुलाहा २ नृपिनियंचरुसिद्धिपेदांय

३३ अथ



कै॥ ॥ कायवाकविरु वज्र गिन् २ कालकाकमुखवड्डाव ॥ ॥ किउ  
मिमधुल. दृष्टिसंवीनध्वन २ प्रथमामिअद्वयसिद्धिप्रदायनी ॥ ॥ २३२ ॥  
[वागधनाप्रि] ॥ सभाकाका. महासु खकन. वड्डानंददहा २ गिरुवध  
रुलयी. महासुखलाया. वड्डसूर्य इयिमनिया ॥ ६॥ ॥ नपापकिन्तो  
पुनरीका. गिरुवनचकध्वनूपी २ सर्वविकल्प. विध्यं सनिदवी. अनुरु  
हानवनदायनी ॥ ॥ अमिताभमधुलउदयानधिनि. कल्याननामिव

वृषधामि २ कनकिकपाल. खड्गधनीपहा. हानवनदायनी ॥ ॥ दिगंव  
नमकटकनी. वकीकुधुल. कलिधारी २ वचकमुखल. पायलधारी. गीधनुड  
ननसिन्माला ॥ ॥ सर्वगधगग ऊननादवी. विनहिगलवज्जलवे ॥  
श्रीवज्रयागिनीत्वनधगिन्गनध वि. गधंनिसमनसवजा ॥ ॥ २३३ ॥  
[वाग. कामाद] ॥ द्रुविजसंख. खसमदहा. नरुनसकादिसे मवक्रधवा २ द्वादश  
रुज. वदवदना. द्वादशवड्डन. वकनं ॥ ६॥ ॥ नमामिगीतिवक्रधवं. मानर



20

लेया रुस्म विरुषिग गगध कका दिवंधु विनाया ॥ ५ ॥ पुरुस श्रीहनुवभात्र का  
 लाया ॥ शम्भनाथ श्रीसम्बल लाया ॥ ॥ वज्रकवारक हाथ धनिया ॥ कलि कि  
 या उखडांग २ सपूट या गिनी ॥ कम ॥ लविहा संलग्न ॥ महासम्भविप ॥ ६ ॥  
 ॥ ॥ वज्रवा नाहि आलिंग सम्बन ॥ नाययिवरु ॥ विविह विरुंग २ गद्य  
 लिकालिनेया ॥ का ॥ उकिह नू ३ ॥ अर्द्ध उवन सूनन ससंग ॥ ॥ सहज सप्रहि  
 लेया ॥ गगना कि कर्ष पान ॥ श्रीहनु ३ ॥ यनन प्रभादा २ ॥ पहा आलिंग ॥ कि उं नि ॥



हन्त्राविनासयिषुन्यकनूक्ष ॥ ८० ॥ ~~नागरेनवा~~ ॥ ऊयंऊयंवाद्यलिसयन  
 सल्लस्करि २ ऊरवयइ ४ खयसंहाविधी ॥ ४२ ॥ नूक्षंमूर्धंऊनहाः इं काननाययि  
 माननिनवाधी ॥ ॥ जिनननया ॥ यिः दहपूत्रने जिनऊननिः वजयागि  
 ती ॥ ॥ ऊयंऊयंहाऊरनवसंभा ॥ ल २ कननिकपालः खदांगधारी ॥ २९  
 ऊयंऊयंमोदमभनस्थित २ गीव्यनूद वनगिनमाना ॥ ॥ ऊयंऊयंनारवइ  
 जगनसंस्तान २ प्रथमामिऊदयसंवाद्यली ॥ ॥ ८० ॥ ~~नागरेनवा~~ ॥ ॥

१ गज जिनऊर्ध हाथधनीयाः कमलकलिसैः ऊदयवावि २ उमनूकनहि कृ ७ न  
 जिमूलाः वामखदांगकपानधना ॥ ४३ ॥ श्रीसम्बननाया वाद्यलिङ्गु म्नाजागम  
 निता २ मानयिनः वापयिषानमायाः ॥ सासूरुवकु मूडासिद्धिविष्णु ॥ ॥  
 पागवक्र मूढ वामहाथधनीयाः ॥ ननगिलमाला २ नीलहवीमलाहि  
 गकनकारववउ मुखअगिविकलालअधना ॥ ॥ अलिरु प्रयारेनवेवा  
 पयिषानः कालिनागि विम्बमूडा २ विष्णुकुलिगः ऊर्ध्वचन्द्रजगयूकः व्याघ्रचर्म



षट्मूडा ॥ ॥ अहिसंविनवीनध्वन सायक शिनिवक्र महाविनवीना २ कनूध  
 अगभवविनवीनध्वन. अंजयी सयान संमानधना ॥ ३० ॥ **नागनिवाह** ॥  
 अखयनिनंजन. अद्वयअनूपयः गग सवनंज साधना २ शुभ्यता विना भिन्नता  
 य. श्रीवियादवी. प्रायविदु समजादिता ॥ ३१ ॥ नमामि निलानरुव. निवक्र  
 वरगगाव. हनुस्मनसं पापिना २ सनदवदसमरुज प्रकासित. जलजवद समय  
 व्यापिना ॥ ॥ खडगयागभव. साधिन वक्रवह्नि. भनूमधुलरुमगलिना २ नि

मोवहृदयावक्र व्यापिग अहिसि सिक्क जक्रुमयसाधना ॥ ॥ अनंदपवनमा  
 नंद. विनमा. सहजा चक्रुवानद जसंरुवा २ पवनमाविनमा ॥ नद्यादिल महासुख  
 एगमवनपापिना ॥ ॥ हवजका लवक्र श्रीवक्रमध्वन. अनरुकाठि. सि  
 द्वापानंगमा २ श्रीहमअठियान. पूर्ण गिनिजानंधन. प्ररुमहासुखजानई  
 ॥ ३२ ॥ **नागमानव** ॥ वज्रिया निवक्रा निवधुलिदवी २ सिंधिनी. व्याधिनी  
 जम्बुक उन्नकिनी ॥ ३३ ॥ नमामि श्रीयागमध्वन २ हानध्वनीया २ शिनिनगद



